



झांसी : केन्द्रीय मन्त्री से अवॉर्ड लेते डॉ. अरविन्द कुमार।

रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को हरित रत्न अवॉर्ड

झांसी : रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार को युवाओं को कृषि में सशक्त बनाने के लिए उत्कृष्ट प्रयास व शैक्षिक सुधारों द्वारा छात्रों के कल्याण की गतिविधियों को शुरू करने के लिए हरित रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद व अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह अवॉर्ड केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री राधामोहन सिंह ने प्रदान किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मन्त्री ने बुन्देलखण्ड में चार कॉलेज खोले जाने की जानकारी दी। डॉ. कुमार ने उप महानिदेशक (शिक्षा) के पद पर रहते हुए उच्च कृषि शिक्षा

में सुधार व आधुनिकीकरण के लिए प्रत्येक संस्था में कृषि शिक्षा दिवस के संगठन, ई-पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति की शुरुआत की व अण्डर ग्रेजुएट छात्रों के लिए कई नवीन पाठ्यक्रम शुरू कराए।

प्रोफेसर अरविंद को हरित रत्न अवार्ड

बरेली। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार को दिल्ली में केंद्रीय



कृषि मन्त्री राधा मोहन सिंह के हाथों हरित रत्न अवार्ड 2015 दिया गया है। इस पर जिला उद्यान कार्यालय के कर्मचारियों ने खुशी जतायी है। बता दें पीलीभीत के मूल निवासी प्रोफेसर कुमार की बड़ी बेटी पूजा बरेली की जिला उद्यान अधिकारी हैं, छोटी बेटी डॉ. सोनल आईवीआरआई में वैज्ञानिक हैं। उप महानिदेशक (शिक्षा) पद पर रहते हुए उच्च कृषि शिक्षा में सुधार और आधुनिकीकरण के लिए प्रोफेसर अरविंद कुमार को यह पुरस्कार दिया गया है। इससे पहले उन्हें डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड भी मिल चुका है।



प्रो. अरविंद कुमार को सम्मानित करते केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री राधा मोहन सिंह।

कृषि विश्वविद्यालय कुलपति को हरित रत्न अवार्ड

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविंद कुमार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री राधा मोहन सिंह ने 'हरित रत्न अवार्ड- 2015' से सम्मानित किया। उन्होंने यह सम्मान नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व अखिल भारतीय कृषि छात्रसंघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। प्रो. अरविंद कुमार को यह सम्मान कृषि में युवाओं को आकर्षित करने, शैक्षिक सुधारों द्वारा छात्रों के कल्याण की गतिविधियां शुरू करने व युवाओं को कृषि में सशक्त बनाने में उनके विशेष योगदान पर दिया गया।

